

दैनिक भास्कर, जबलपुर
29 JUL 2015

ज्योतिर्मय प्रज्ञा- पुरुष को कोटिशः नमन : चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि कुछ व्यक्तित्व इतने विराट होते हैं कि उनके बारे में कुछ कहने में भाषा पंगु हो जाती है। कलाम भारतीय ऋषि परम्परा के ऐसे ही महापुरुष थे। आधुनिक भारत के इतिहास में 27 जुलाई 2015 एक ऐसे दिन के रूप में याद किया जाएगा, जब भारत रत्न डॉ. कलाम के रूप में अपने ज्ञान, विज्ञान और प्रज्ञान से देश को आलोकित करने वाली ज्योति परम ज्योति में विलीन हो गयी। डॉ. अब्दुल कलाम क्या थे, यह कहने से ज्यादा यह कहना उपयुक्त होगा कि वह क्या नहीं थे! भारतीय जीवन मूल्यों के मूर्तिमंत स्वरूप डॉ. कलाम एक ज्योतिर्मय प्रज्ञा-पुरुष थे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी डॉ. कलाम उत्कृष्ट वैज्ञानिक, मौलिक विचारक, गंभीर आध्यात्मिक साधक, कवि, संगीत रसिक, कुशल वक्ता, प्रशासक और सबसे बड़ी बात, संवेदनाओं से परिपूर्ण एक महामानव थे। महान लोग उन लोगों के प्रति सदा कृतज्ञ रहते हैं, जिनसे उन्होंने कुछ सीखा हो। वे सार्वजनिक मंच पर अपने प्राथमिक शिक्षक शिव सुब्रमण्यम और वैज्ञानिक गुरु प्रो.सतीश धवन के प्रति सम्मान व्यक्त करना कभी नहीं भूलते थे।